कविता – फूल

आर. एच .एम. पी में फूल अनेक ,
उस बगिया का फूल मै एक
हर दिन सींचे गुरु – वर मेरे ,
फिर मै लेती रंग अनेक
हर दिन, हर पल बढती जाऊं ,
अपनी खुशबू से जग को महकाऊं
आर.एच.एम.पी में फूल अनेक